मड़ला घाटी में ट्रक ने कार को मारी टक्कर

बाइक सवार को रौंदा, हुई मौके पर ही मौत

नवभारत न्यूज

पन्ना, 08 मई। पन्ना-छतरपुर नेशनल हाईवे-39 पर आये दिन जाम की स्थिति निर्मित होती रहती है आये दिन समाचार पत्रों में उक्त घाटी पर होने वाले जाम एवं वाहन दुर्घटनाओं के विषय में समाचार पत्रों में खबरें प्रकाशित होने के बावजूद भी शासन प्रशासन द्वारा आज तक स्थिति से निजात पाने के लिये कोई प्रयास नही किये गये, जिसके चलते लोग असमय की काल के गाल में समा रहे है।

ऐसा ही हादसा विगत दिवस गुरुवार को भैरव घाटी में दोपहर में देखने को मिला जिसमें एक बेकाबू ट्रक ने जमकर तांडव मचाया। ट्रक की रफ्तार इतनी तेज थी कि ट्रक ने पहले सामने से आ रही दो कारों को जोरदार टक्कर मारी और उसके बाद सड़क किनारे जा रहे एक बाइक सवार को कुचल दिया। इस दर्दनाक हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जिस कार को ट्रक ने सबसे पहले अपनी चपेट में लिया था, उसमें दूल्हा-दुल्हन और उनके परिजन सवार थे। गनीमत यह रही कि कार ट्रक के नीचे नहीं दबी, जिससे एक बहुत बड़ा हादसा होते-होते टल गया और कार सवारों की जान बच गई। हादसे का मुख्य कारण घाटी में संकरा रास्ता होना बताया जा रहा है।

दरअसल, मंडला घाटी में एक ट्रक खराब होने की वजह से मार्ग वन-वे हो गया था, जिसे सुचारू करने के लिए थाना प्रभारी रचना पटेल पुलिस बल के साथ मौके पर तैनात थीं। इसी दौरान छतरपुर की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने नियंत्रण खो दिया और वाहनों को टक्कर मारते हुए आगे बढ़ गया। हादसे के बाद बाइक सवार रामाधार वंशाकार उम्र 40 वर्ष, निवासी बगौहा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद आरोपी ट्रक चालक ने मौके से भागने का प्रयास किया, लेकिन मुस्तैद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। इस दुर्घटना के बाद नेशनल हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप में यात्री करीब दो घंटे तक जाम में फंसे रहे। बाद में पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को क्रेन की मदद से हटवाया, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका। पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

रेत से भरे ट्रक ने बाइक सवार पिता-पुत्र को रौंदा

अजयगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत एक भीषण सड़क हादसा सामने आया है जहाँ रेत से लदे एक अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार पिता-पुत्र को जोरदार टक्कर मार दी। घटना उस समय हुई जब लोढ़ापुरवा निवासी मनोज तिवारी अपने पिता चंद्रिका प्रसाद तिवारी के साथ गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे बाइक से बबेरू गांव एक अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक जिगनी-नत्थूपुरवा के बीच स्थित नहर पुल के पास पहुँची, सामने से आ रहे ट्रक क्रमांक एमपी 35 एडए 0481 के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार पिता-पुत्र उछलकर सीधे सड़क किनारे नहर की पटरी पर जा गिरे, जबकि उनकी बाइक मनोज तिवारी के ऊपर ही पलट गई। हादसे के बाद घायल पिता-पुत्र वहीं तड़पते रहे, लेकिन ट्रक चालक मानवीयता दिखाने के बजाय वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है।

छत्रसाल कॉलेज में विद्यार्थियों ने सीखे जीवन रक्षा के गुर

नवभारत न्यूज

पन्ना, 08 मई। स्थानीय छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रेड क्रॉस स्थापना दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. डी. चतुर्वेदी के संरक्षण में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आयोजन का मुख्य केंद्र बिंदु सीपीआर प्रशिक्षण और स्वास्थ्य परीक्षण रहा, जिसके माध्यम से युवाओं को प्राथमिक उपचार और स्वास्थ्य जागरूकता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित जिला रेड क्रॉस सचिव डॉ. नीरज जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आपातकालीन स्थिति में सही समय पर दी गई प्राथमिक चिकित्सा किसी व्यक्ति को नया जीवन दे सकती है। उन्होंने कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन यानी सीपीआर का व्यावहारिक प्रदर्शन करते हुए बताया कि हृदयाघात के दौरान शुरुआती कुछ मिनट बेहद कीमती होते हैं। डॉ. जैन ने बहुत ही सरल और प्रभावी ढंग से समझाया कि किस तरह एक आम नागरिक भी तकनीक का सही ज्ञान रखकर संकट के समय मसीहा बन सकता है। प्रशिक्षण के उपरांत उन्होंने विद्यार्थियों की विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी शंकाओं का समाधान किया और उन्हें बेहतर जीवनशैली के लिए चिकित्सकीय मार्गदर्शन भी दिया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भारी उत्साह दिखाया और न केवल स्वास्थ्य संबंधी बारीकियों को समझा, बल्कि भविष्य में सेवा और सहायता के रेड क्रॉस के सिद्धांतों को आत्मसात करने का संकल्प भी लिया।

50 हेक्टेयर में विकसित हो रहा नगर वन, काम तेजी से शुरू

नवभारत न्यूज

पन्ना, 08 मई। पन्ना टाइगर रिजर्व और खजुराहो आने वाले पर्यटकों को रिझाने और शहरी लोगों को मनोरंजन के लिए वन विभाग नगर वन के रूप में विकसित कर रहा है। इसमें एडवेंचर पार्क, नक्षत्र गार्डन समेत अन्य आकर्षक होंगे। 50 हेक्टेयर में विकसित किए जा रहे इस परिसर में करीब दो करोड़ रुपए के काम चल रहे हैं।

उत्तर वन मंडल के डीएफओ धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि पन्ना-छतरपुर मार्ग में स्मृति वन के पास 50 हेक्टेयर में नगर वन डेवलप किया जा रहा है। इसमें पार्क बनेंगे, तालाब व परिसर विकसित किया जाएगा। इसमें कैक्टस व नक्षत्र गार्डन, एडवेंचर पार्क और तालाब भी बनेगा। 50 हेक्टेयर जमीन में जो आकर्षक स्थान विकसित किए जा रहे हैं, उसमें बांस का इस्तेमाल किया जाएगा।

इसके पीछे मकसद है सीमेंट कंक्रीट का ज्यादा इस्तेमाल ना हो। बच्चों के लिए मनोरंजक चीजें उपलब्ध होंगी। वॉकिंग ट्रेल, बच्चों के लिए झूले, मनोरंजन स्थल बनाए जाएंगे। पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने आकर्षक सूचना पटल लगाए जाएंगे। वहीं पार्क में औषधीय और दुर्लभ, संकटग्रस्त प्रजातियों के पौधों का रोपण करने की तैयारी की जा रही है। ऐसी संकटग्रस्त और दुर्लभ प्रजातियों के पौधों की बारिश के मौसम में रोपने की तैयारी की जा रही है। साथ ही ऐसे पौधों को मप्र के अलावा अन्य प्रांतों से भी मंगाया जा रहा है। महकमा इसकी तैयारियों में जुटा हुआ है। वहीं दूसरी ओर बांस मित्र की सफाई और विरलन कार्य किया जाएगा।

नगर वन विकसित होने के बाद इसके संचालन की जिम्मेदारी ग्रामीण वन समिति देने की प्लानिंग है। इस माध्यम से न केवल ग्रामीण युवाओं को रोजगार मिलेगा बल्कि आने वाले पर्यटकों से आय होगी। इस आय से इस परिसर को और अधिक समृद्ध व सुविधायुक्त किया जाएगा। ताकि पर्यटन को बढ़ावा जा सके।

उपभोक्ताओं से लोक अदालत एवं समाधान योजना का लाभ लेने की अपील

लोक अदालत में विद्युत चोरी के प्रकरणों में धारा- 135/126 के तहत छूट मिलेगी

नवभारत न्यूज

पन्ना, 08 मई। म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी संभाग पन्ना द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं से लोक अदालत में छूट का लाभ उठाने की अपील की गई है। कार्यपालन अभियंता अमितेश कुमार मिश्रा ने बताया कि शनिवार, 9 मई को आयोजित लोक अदालत में विद्युत चोरी के प्रकरणों में धारा 135/126 के तहत छूट मिलेगी।

इसके अतिरिक्त विद्युत कंपनी द्वारा समाधान योजना अंतर्गत आगामी 15 मई तक बकाया विद्युत बिलों में भी छूट प्रदान की जा रही है। ईई ने जानकारी दी कि पन्ना संभाग अंतर्गत अजयगढ़, अजयगढ़ 2, पन्ना शहर, पन्ना ग्रामीण, देवेन्द्रनगर, गुनौर और सलेहा वितरण केन्द्र के ग्रामों में बकाया राशि वाले उपभोक्ताओं से समाधान योजना के तहत बकाया विद्युत बिलों की वसूली सूची कर्मचारियों को प्रदान की गई है, जिसके तहत उपभोक्ताओं से घर-घर संपर्क भी किया जा रहा है। समाधान योजना में बकाया विद्युत देयक का भुगतान उपभोक्ताओं द्वारा निर्धारित अंतिम तिथि तक किया जा सकता है। एकमुश्त अथवा किश्त में भुगतान पर सरचार्ज राशि की छूट का लाभ मिलेगा। विद्युत उपभोक्ताओं से लोक अदालत सहित समाधान योजना का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया गया है।

नेशनल लोक अदालत के लिए 12 खंडपीठ गठित

शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय पन्ना सहित पवई एवं अजयगढ़ में भी किया जाएगा। इसके लिए कुल 12 खंडपीठ का गठन किया गया है। समस्त खंडपीठ में राजीनाम योग्य विचाराधीन लंबित अपराधिक, चेक अनादरण, मोटर दावा दुर्घटना, दीवानी भू-अर्जन, पारिवारिक विवाद, भरण पोषण, घरेलू हिंसा आदि प्रकरणों का राजीनामा के माध्यम से निराकरण किया जाएगा। इसके अलावा विद्युत विभाग सहित सभी बैंक के ऋण वसूली, टेलीफोन विभाग के बिल तथा नगरीय निकायों के जल व संपत्ति कर संबंधी सभी मामलों का निराकरण भी होगा। लोक अदालत के लिए पक्षकारों को सूचना पत्र जारी किए गए हैं। संबंधित पक्षकार सूचना पत्र प्राप्त नहीं होने पर भी नेशनल लोक अदालत दिवस 9 मई को उपस्थित होकर प्रकरणों का निराकरण करवा सकते हैं।

केन्द्रीय विद्यालय के परीक्षा परिणाम ने खड़े किए सवाल, शिक्षा के गिरते स्तर से अभिभावक चिंतित

नवभारत न्यूज

पन्ना, 08 मई। केन्द्रीय विद्यालय पन्ना में प्राचार्य की विद्यालय में पकड़ कमजोर कहें या मॉनिटरिंग की कमी या फिर शिक्षकों की लापरवाही, कारण कुछ भी हो लेकिन विद्यालय के 11वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणामों ने झकझोर कर रख दिया है। छात्रों के अभिभावक काफी चिंतित नजर आ रहे है।

वहीं केन्द्रीय विद्यालय संगठन की साख पर पन्ना में प्रश्नचिह्न लग गया है। हाल ही में घोषित हुए कक्षा 11वीं विज्ञान संकाय के परीक्षा परिणाम ने अभिभावकों और शिक्षा जगत को चिंता में डाल दिया है। विद्यालय का परिणाम न केवल निराशाजनक रहा है बल्कि निजी स्कूलों की तुलना में भी काफी पिछड़ा नजर आ रहा है।

योग्य शिक्षक फि र भी फिसड्डी परिणाम क्यों - केन्द्रीय विद्यालय में देश के विभिन्न राज्यों से आए उच्च शिक्षित और योग्य शिक्षक पदस्थ हैं। संगठन द्वारा शिक्षकों को बेहतर वेतन और सुविधाएं दी जाती हैं, ताकि वह छात्रों का भविष्य संवार सकें। इसके बावजूद वार्षिक परीक्षा परिणाम का इतना गिरना यह संकेत देता है कि कहीं न कहीं पढ़ाई के

स्तर पर बड़ी लापरवाही बरती जा रही है। एक ओर जहां निजी स्कूल सीमित संसाधनों में बेहतर परिणाम दे रहे हैं वहीं केन्द्रीय विद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थान का पिछड़ना समझ से परे है। जो छात्र इस वर्ष उत्तीर्ण होकर कक्षा 12वीं में पहुंचे हैं, उन्हें अगले वर्ष बोर्ड परीक्षा का सामना करना है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए अभिभावक बेहद चिंतित हैं।

यदि 11वीं का आधार ही इतना कमजोर है तो 12वीं के बोर्ड एग्जाम में छात्र कैसे बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे। केन्द्रीय विद्यालय संगठन शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए सदैव सजग रहता है लेकिन जमीनी स्तर पर पन्ना में बरती जा रही ढिलाई छात्रों के भविष्य पर भारी पड़ रही है। यह समय केवल खानापूर्ति का नहीं बल्कि आत्म-मंथन का है। विद्यालय प्रशासन और शिक्षकों को सामूहिक रूप से जिम्मेदारी लेते हुए अतिरिक्त कक्षाओं और विशेष मार्गदर्शन की योजना बनानी होगी ताकि आगामी सत्र में विद्यालय का नाम रोशन हो सके और छात्रों का भविष्य सुरक्षित रहे।

आंकड़ों की जुबानी, बदहाली की कहानी

विद्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार कक्षा 11वीं विज्ञान संकाय में इस वर्ष कुल 40 छात्र दर्ज थे। चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से केवल 22 छात्र ही उत्तीर्ण हो पाए हैं, 3 छात्र पूरक आए हैं। शेष 15 छात्रों का अनुत्तीर्ण होना विद्यालय की शैक्षणिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

रूंझ परियोजना में विरोध प्रदर्शन तेज

नवभारत न्यूज

अजयगढ़, 08 मई। अजयगढ़ मे संचालित रूँझ परियोजना का काम विस्थापित आदिवासियो के उग्र आंदोलन के बाद कई दिनों से बंद है प्रशासन की लाख कोशिशों के बाद भी रूँझ परियोजना का काम चालू नहीं हो पा रहा है विस्थापित आदिवासियों से प्रशासन की कई दौर की बातचीत का भी कोई हल नहीं निकल पाया।

लगातार मुआवजे की मांग को लेकर सैकड़ो आदिवासी परिवार परियोजना का काम चालू होने नहीं दे रहे, जिससे परियोजना का काम कर रही निर्माणाधीन कम्पनी को भी खासा नुकसान हो रहा है। केन वेतवा लिंक परियोजना के बाद समाजसेवी अमित भटनागर ने रूँझ परियोजना मे विस्थापित होने वाले आदिवासियों के साथ प्रदर्शन किया था एवं प्रशासन को चेतावनी दी थी की विस्थापितो को शासन जब तक उचित मुआवजा नहीं दे देता तब तक परियोजना का काम शुरू होने नहीं दिया जायेगा और उग्र आंदोलन जारी रहेगा। इसी बीच अमित भटनागर प्रदर्शन में शामिल होने आ रहे थे जहां से उनकी गिरफ्तारी की खबर है। समाजसेवी अमित भटनागर सहित कई लोगो को प्रशासन ने हिरासत मे लिया है जिसकी भी चर्चा तेज है। इन लोगों की गिरफ्तारी के पीछे परियोजना का अटका काम ओर आंदोलन को समाप्त किया जाना है, लेकिन बावजूद इसके भी सैकड़ो लोग जिनमे अधिकांश महिलाये परियोजना का जबरजस्त विरोध कर रही है कुछ देर के लिए भारी सुरक्षा बल के साथ रूँझ परियोजना का काम जैसे ही प्रशासन ने शुरू कराया तो विरोध प्रदर्शन करने वाले लोग एंव महिलाये प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगी और प्रदर्शन उग्र हो गया जिससे प्रशासन के भी हाथ पैर फूल गए। परियोजना का काम बंद कराने सैकड़ो महिलाये दौड़ती नजर आई और पुलिस बल भी पीछे पीछे दौड़ता नजर आया परियोजना का पूरा एरिया दिन भर छावनी मे तब्दील रहा।

धरना प्रदर्शन, रैली व पदयात्रा पर लगा प्रतिबंध

नवभारत न्यूज

पन्ना, 08 मई। अनुविभागीय दण्डाधिकारी पन्ना संजय कुमार नागवंशी द्वारा आदेश जारी कर तत्काल प्रभाव से शहर के व्यस्ततम क्षेत्र डायमण्ड चौराहा सहित पन्ना नगर की संपूर्ण सीमा क्षेत्र में किसी भी प्रकार के धरना प्रदर्शन करने तथा रैली और पद यात्रा निकालने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

विदित हो कि अनुविभाग पन्ना एवं अजयगढ़ अंतर्गत शासन की विभिन्न लोकोपयोगी परियोजनाओं केन बेतवा लिंक परियोजना, रूंज मध्यम सिंचाई परियोजना एवं मझगांय सिंचाई परियोजना के तहत बांध निर्माण के लिए भू-अर्जन हुई भूमियों व परिसंपत्तियों से संबंधित व्यक्तियों द्वारा पन्ना नगर में डायमण्ड चौराहा या अन्य स्थल पर एकत्र होकर धरना प्रदर्शन रैली करने आदि की योजना के संबंध में विभिन्न माध्यमों से सूचना प्राप्त हुई थी।

ऐसे व्यक्तियों द्वारा परियोजना कार्य के संबंध में विगत कई दिनों से किए जा रहे अवरोध के कारण परियोजना संबंधी शासकीय कार्य प्रभावित हो रहे हैं तथा क्षेत्र में अराजकता जैसी स्थिति निर्मित होने के कारण कानून एवं शांति व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना भी बनी रहती है।

आम नागरिकों की दैनिक दिनचर्या, शासकीय कार्यों के सुचारू संचालन, आवागमन व्यवस्था और साईलेंट जोन व्यवस्था सहित नगर में कानून-शांति व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत उक्त प्रतिबंध लगाया गया है।

बीएड, डीएलएड सहित विभिन्न शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की प्रवेश तिथियां जारी

पन्ना, 08 मई। राज्य शिक्षा केन्द्र, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए समय-सारणी जारी कर दी गई है। अभ्यर्थियों को एमपी ऑनलाइन के माध्यम से आवेदन करना होगा। जारी कार्यक्रम के अनुसार एमएड, एमए मनोविज्ञान (व्यवहारिक), पीजीडीजीसी, बीएड, डीएलएड, डीपीएसई एवं पीजीडीईएलटी पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया अलग-अलग चरणों में होगी।

अधेड़ का शव मिलने से मचा हड़कंप

नवभारत न्यूज

पन्ना, 08 मई। पन्ना जिले के शाहनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत खमतरा में बीते दिन गुरुवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब जंगल से सटे मौहार क्षेत्र में 50 वर्षीय व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला।

जानकारी के अनुसार गिधौड़ा निवासी संदीप कुमार चौधरी अपने ट्रैक्टर से खेतों की जुताई करने जा रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर झाड़ियों के पास पड़े एक व्यक्ति के पैरों पर पड़ी।

पहले उन्होंने उसे शराब के नशे में पड़ा समझा, लेकिन पास जाकर देखा तो व्यक्ति की मौत हो चुकी थी एवं मृतक के हाथों पर बिजली के करंट से झुलसने के गहरे निशान मिलने से मामला रहस्यमय बन गया है। घटना की सूचना मिलते ही शाहनगर थाना प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से मृतक की पहचान राजू उर्फराज नारायण सिंह राठौर उम्र 50 वर्ष निवासी खमतरा के रूप में की।

एसडीएम ने कृष्णा कल्याणपुर उपार्जन केन्द्र की देखी व्यवस्थाएं

नवभारत न्यूज

पन्ना, 08 मई। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पन्ना संजय कुमार नागवंशी द्वारा गुरूवार को गेहूं उपार्जन केन्द्र अर्चना वेयरहाउस कृष्णा कल्याणपुर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

यहां पहुंचे किसानों से खरीदी के संबंध में जानकारी प्राप्त कर सर्वेयर एवं केन्द्र प्रभारी को निरंतर आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में निर्देश दिए गए। एसडीएम ने किसानों से उनकी समस्याएं भी पूछीं तथा सुलभ तरीके से गेहूं उपार्जन एवं भुगतान के लिए आश्वस्त किया।

खरीदी केन्द्र में तुलाई, आवक अनुसार सभी समुचित प्रबंध तथा अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं एवं ग्रेडिंग कार्य का अवलोकन भी किया गया। साथ ही सतत रूप से सुदृढ़ व्यवस्थाओं के लिए निर्देश दिए गए।

जल गंगा संवर्धन से बुझ रही वन्यजीवों की प्यास

झिरिया पुनर्जीवन के लिए वन अमले का सराहनीय प्रयास

नवभारत न्यूज

पन्ना, 08 मई। दक्षिण पन्ना वनमण्डल में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत अप्रैल माह के अंतिम सप्ताह में विभिन्न वन परिक्षेत्रों में प्राकृतिक जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन, मरम्मत एवं संरक्षण हेतु व्यापक स्तर पर कार्य किए गए। इन प्रयासों का उद्देश्य ग्रीष्म ऋतु में वन्यजीवों, पक्षियों एवं अन्य छोटे जीवों के लिए सुरक्षित एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है।

वन परिक्षेत्र शाहनगर में रामपुर बीट स्थित महिपाल कुंड झिरिया में झिरिया पुनर्जीवन कार्य कार्यवाहक वनपाल एवं परिक्षेत्र सहायक बिसानी अनिल प्रताप सिंह एवं वनरक्षकों द्वारा कराया गया। वहीं उमरिया बीट स्थित मेड़े की झिरिया एवं सिद्ध बाबा झिरिया में वनरक्षक आशीष कुमार पांडे द्वारा मलवा हटाने, झाड़ियों की सफाई, पत्थर लगाने एवं खुदाई कार्य कर प्राकृतिक जल रिसाव को पुनर्जीवित किया गया, जिसके बाद झिरिया में जल भराव देखा गया। शाहनगर रेंज में ही हरदुआ बीट में राहुल जैन एवं टिकरिया सर्किल के परिक्षेत्र सहायक द्वारा झिरिया सफाई कार्य कराया गया। बोरी बीट में वनरक्षक प्रेम नारायण वर्मा द्वारा झिरिया सफाई, सौसर निर्माण, मिट्टी के सकोरे एवं पुराने टायरों को संशोधित कर उनमें पानी भरवाकर वन्यजीवों एवं पक्षियों के लिए अभिनव जल व्यवस्था विकसित की गई। वहीं बौराई झिरिया में वनरक्षक ओमप्रकाश द्विवेदी द्वारा जल स्त्रोत सुधार कार्य किया गया। रेंज में पक्षियों के लिए पेड़ों पर सकोरे

रखवाकर भी जल उपलब्धता सुनिश्चित की गई। मोहन्द्रा रेंज में गोरहा बीट में वनरक्षक हरिशंकर अहिरवार द्वारा झिरिया सफाई कार्य कराया गया। मडवा नाका एवं बम्हौरी में वनरक्षक गौरव दीक्षित द्वारा पक्षियों हेतु सकोरे रखवाने एवं झिरिया मरम्मत का कार्य किया गया। मोतीडोल बीट में वनरक्षक अरविंद कुमार विश्वकर्मा द्वारा कुंडा झिरिया की सफाई कर मधुमक्खियों एवं छोटे जीवों हेतु भी जल स्त्रोत विकसित किया गया, साथ ही वनरक्षक आवास परिसर में पक्षियों के लिए सकोरों की व्यवस्था की गई। पूर्वी मोहन्द्रा बीट में वनरक्षक जय प्रकाश नारायण दुबे द्वारा नाका क्षेत्र में पक्षियों के लिए पेयजल व्यवस्था की गई, जबकि अम्हां बीट में वनरक्षक संगीता अहिरवार द्वारा इमली झिरिया की सफाई एवं पक्षियों हेतु जल व्यवस्था कराई गई।

पश्चिमी मोहन्द्रा में वनरक्षक जगदीश प्रसाद अहिरवार द्वारा झिरिया सफाई कार्य कराया गया। कल्दा रेंज में वनरक्षक संदीप बघेल द्वारा मेहगवां बीट में जल स्त्रोत सुधार कार्य किए गए। वहीं कुटरहिया बीट में वनरक्षक सूर्य प्रताप बघेल द्वारा सौसर में जल भराव, झिरिया सफाई एवं जल संरचनाओं की मरम्मत एवं पुनर्भरण का कार्य कराया गया, जिससे वन्यजीवों को निरंतर जल उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। वन परिक्षेत्र रैपुरा में भरतला बीट में वनरक्षक रजनीश चौरसिया द्वारा प्राकृतिक झिरियाओं की सफाई की गई। सलेहा रेंज में वनरक्षक महेंद्र अग्रहरि द्वारा झिरिया मरम्मत कार्य किया गया। खिलसारी बीट में दुधरियन नाला, पटिहट नाला एवं चकदही नाला की झिरियाओं में वनरक्षक सूर्य प्रताप सिंह द्वारा सुरक्षा श्रमिकों के सहयोग से मरम्मत एवं सफाई कार्य कराया गया। वहीं हरदुआ बीट में वनरक्षक उमाशंकर पाल द्वारा चार झिरियाओं का सुधार एवं मरम्मत कार्य कराया गया, जहां वर्तमान में स्वच्छ एवं पेयजल उपलब्ध है। इन सतत प्रयासों के माध्यम से दक्षिण पन्ना वनमण्डल में प्राकृतिक जल स्त्रोतों का संरक्षण करते हुए वन्यजीवों, पक्षियों एवं अन्य जीवों के लिए सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं।